एनआईसी
National
Informatics
Centre

एसआईओ, एनआईसी उत्तर प्रदेश ने एआई ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्क्लेव 2026 में एआई-संचालित नागरिक-केंद्रित सुशासन पर पैनल चर्चा में साझा किए महत्वपूर्ण विचार

श्री आशेष कुमार अग्रवाल, उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, एनआईसी उत्तर प्रदेश, ने 15 मई 2026 को होटल सेंट्रम, लखनऊ में आयोजित एआई ट्रांसफॉर्मेशन कॉन्क्लेव 2026 के अंतर्गत “एआई-संचालित सुशासन : नागरिक-केंद्रित सेवाओं का भविष्य” विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में विशिष्ट वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किए।

इस कॉन्क्लेव का आयोजन गोवकनेक्ट (आईलाउज मीडिया की पहल) द्वारा राज्य परिवर्तन आयोग तथा प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से किया गया। तीन दिवसीय इस आयोजन में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, नीति-निर्माताओं, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सहभागिता करते हुए भारत में एआई-संचालित सुशासन, बुद्धिमान डिजिटल अवसंरचना तथा नागरिक-केंद्रित सार्वजनिक सेवा वितरण के भविष्य पर व्यापक विचार-विमर्श किया।

पैनल चर्चा का संचालन भारत सरकार की भारतीय सेना के कर्नल आनंद बाजपेयी द्वारा किया गया। इस सत्र में डॉ. हरिओम, आईएएस, प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार; आदर्श सिंह, आईएएस, आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश; मासूम अली सरवर, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड एवं सचिव, नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार; आशीष तिवारी, आईपीएस, उप महानिरीक्षक पुलिस, तकनीकी सेवाएं, उत्तर प्रदेश पुलिस; अर्चना वर्मा, आईएएस, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना, उत्तर प्रदेश सरकार; रोहित मेहता, सलाहकार, शिक्षा विभाग, गुजरात सरकार; अमित सिंह, पार्टनर, डेलॉइट इंडिया; तथा राजेश मल्होत्रा, कंट्री अकाउंट टेक्निकल लीडर मैनेजर – गवर्नमेंट, आईबीएम इंडिया एवं साउथ एशिया सहित अनेक प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार साझा किए।

अपने संबोधन में श्री आशेष कुमार अग्रवाल ने कहा कि एआई-समर्थ शासन तंत्र के निर्माण में सबसे बड़ी चुनौती डेटा या प्रौद्योगिकी की उपलब्धता नहीं, बल्कि विभिन्न विभागीय प्रणालियों के बीच मानकीकृत डेटा संरचना एवं इंटरऑपरेबिलिटी फ्रेमवर्क का अभाव है। उन्होंने कहा कि विभागों द्वारा स्वतंत्र रूप से विकसित डिजिटल प्रणालियों के कारण डेटा संरचनाओं में असंगति, मेटाडाटा की विविधता तथा पृथक डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हुए हैं, जिससे एआई-आधारित सुशासन की प्रभावशीलता प्रभावित होती है।

उन्होंने विश्वसनीय एवं बुद्धिमान शासन प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए समान डेटा मानकों, इंटरऑपरेबल एपीआई, फेडरेटेड रजिस्ट्रियों, मेटाडाटा गवर्नेंस तथा सुरक्षित एवं सहमति-आधारित डेटा साझाकरण ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया। एनआईसी की सुरक्षित डिजिटल अवसंरचना एवं बड़े स्तर पर सरकारी प्रणालियों के एकीकरण में विशेषज्ञता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य "संवर्धित सुशासन" का है, जिसमें एआई प्रशासनिक दक्षता को सशक्त करेगा, जबकि जवाबदेही, पारदर्शिता एवं संवैधानिक उत्तरदायित्व मानव संस्थाओं के पास ही रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सुशासन परिवर्तन का अगला चरण शासन को अधिक बुद्धिमान, इंटरऑपरेबल एवं पूर्वानुमान-आधारित बनाने पर केंद्रित होगा।

कॉन्क्लेव के दौरान एनआईसी की उप महानिदेशक एवं एचओजी सुश्री शर्मिष्ठा दासगुप्ता ने भी "उत्तरदायी एआई, एनालिटिक्स एवं उभरती प्रौद्योगिकियां" विषय पर आयोजित एक अन्य पैनल सत्र को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री आशेष कुमार अग्रवाल ने सुश्री दासगुप्ता का औपचारिक स्वागत करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

***

SIO, NIC Uttar Pradesh delivers Insights in a Panel Discussion on AI-Powered Citizen-Centric Governance at AI Transformation Conclave 2026

Shri Ashesh Kumar Agarwal, DDG & State Informatics Officer (SIO), NIC Uttar Pradesh, delivered key insights as a distinguished panelist in the "AI-Powered Governance: The Future of Citizen-Centric Services" session at the AI Transformation Conclave 2026 held on 15 May 2026 at Hotel Centrum, Lucknow.

The conclave was organized by GovConnect (an iLouge Media initiative) in collaboration with the State Transformation Commission and the Department of Administrative Reforms and Public Grievances, Government of Uttar Pradesh, as Host Partners. The three-day conclave brought together senior bureaucrats, policymakers, technology leaders, and industry experts to deliberate on the future of AI-powered governance, intelligent digital infrastructure, and citizen-centric public service delivery in India.

The panel discussion was moderated by Colonel Anand Bajpai, Indian Army, Government of India, and featured eminent dignitaries including Dr. Hari Om, IAS, Principal Secretary, Department of Vocational Education and Skill Development, Government of Uttar Pradesh; Adarsh Singh, IAS, Excise Commissioner, Government of Uttar Pradesh; Masoom Ali Sarwar, IAS, CEO, Uttar Pradesh Sunni Central Waqf Board and Secretary, Planning Department, Government of Uttar Pradesh; Ashish Tiwari, IPS, Deputy Inspector General of Police, Technical Services, Uttar Pradesh Police; Archana Verma, IAS, Chief Executive Officer, National Health Insurance Scheme, Government of Uttar Pradesh; Rohit Mehta, Advisor, Education Department, Government of Gujarat; Amit Singh, Partner, Deloitte India; and Rajesh Malhotra, Country Account Technical Leader Manager – Government, IBM India & South Asia.

During the discussion, Shri Ashesh Kumar Agarwal highlighted that the primary challenge in building AI-ready governance ecosystems lies not in the availability of data or technology, but in

the absence of standardized data architecture and interoperability frameworks across departmental systems. He emphasized that independently developed departmental applications have resulted in fragmented data structures, inconsistent metadata, and isolated digital ecosystems, limiting the effectiveness of AI-driven governance.

He stressed the need for common data standards, interoperable APIs, federated registries, metadata governance, and secure consent-aware data-sharing frameworks to enable trusted and intelligent governance platforms. Highlighting NIC's strengths in secure digital infrastructure and large-scale government system integration, Shri Agarwal stated that the future lies in "augmented governance," where AI enhances administrative efficiency while maintaining accountability, transparency, and constitutional responsibility. He further noted that the next phase of governance transformation would focus on making governance intelligent, interoperable, and anticipatory.

Ms. Sharmistha Dasgupta, DDG & HoG, NIC, also addressed a separate panel session during the conclave on the theme of Responsible AI, Analytics, and Emerging Technologies. During the event, Shri Ashesh Kumar Agarwal extended a formal welcome to Ms. Dasgupta as a gesture of professional courtesy and collaboration.

***